

**Badal Saraswat**

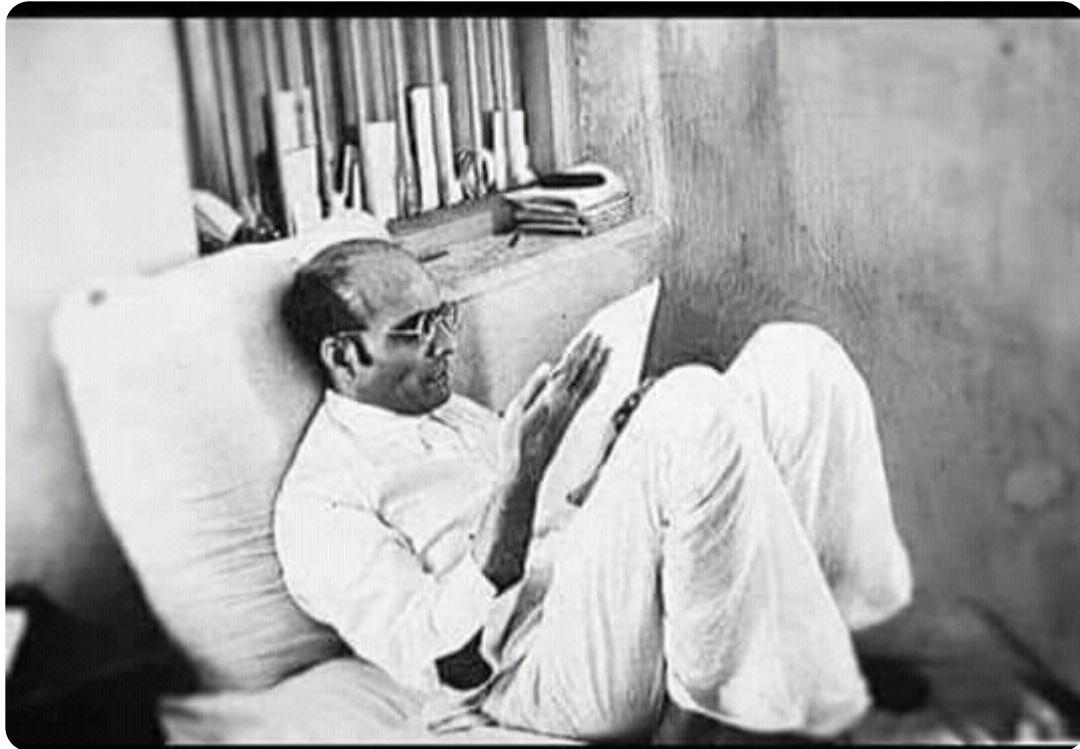
@badal_saraswat • Mar 1, 2021 • 19 tweets

[Share](#) [Twitter](#) [Download](#) ▾

#काँग्रेस_के_कुर्कम जिनकी वजह से इतिहास के पन्नों से
एक ऐसे महान क्रांतिकारी के बारे में उनका नाम मिटा दिया गया

👉 जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के द्वारा इतनी यातनाएं झेलीं कि उनके बारे में कल्पना करके ही #कायरों में सिहरन पैदा हो जायेगी...

👉 जिनका सिर्फ नाम लेने मात्र से ही आज भी



हमारे देश के राजनेता(#काँग्रेसी_चाटुकार 😡) और @Rahul Gandhi 🐴 @Priyanka Gandhi Vadra 📢 व
#काँग्रेसियों_की_मालकिन 😡 #एंटोनियो_माइनो 💀 के साथ पूरा चोर, लुटेरा, हत्यारा, धोखेबाज, घोटालेबाज, देशद्रोही खानदान
#भयभीत हो जाता है,

👉 क्योंकि उन्होंने माँ भारती की #निस्वार्थ_सेवा की थी और इन गाँधीयों 😡

के पूरे खानदान में तो पीढ़ी दर पीढ़ी सिर्फ #अँग्रेजों की गुलामी,चाटुकारिता करता रहा 😡 😡 😡 और जब सत्ता हाथ मे मिली तो #निजिस्वार्थ 😡 सातवें आसमान पर पहुँच गया 😡

👉 ये सात जन्म भी ले लें तो भी हमारे किसी भी वीर,साहसी,देशभक्तों की कभी बराबरी तो बहुत दूर उनके पैरों के धूल के एक कण के

बराबर भी ऐकात नहीं है इनकी...

👉 जिनके बारे में मैं आपको अब बताने जा रहा हूँ वो थे हमारे #वीर_सावरकरजी 🙏🙏🙏

👉 आखिर कौन ? थे वीर सावरकर

हम बहुत कुछ नहीं जानते लेकिन जो जानते हैं वो बेहद ही कम है,

👉 इनको पढ़े बिना #आजादी_का_ज्ञान भी अधूरा है,

और वो थे हमारे #परमवीर_वीर_सावरकरजी 🙏

👉 उनके बारे में संक्षेप में आपको बताता हूँ...

👉 1. वीर सावरकरजी पहले ऐसे क्रांतिकारी देशभक्त थे,जिन्होंने #सन1901 में #ब्रिटेन की रानी #विक्टोरिया की मृत्यु पर नासिक में #शोकसभा का विरोध किया था और कहा कि वो हमारे शत्रु देश की रानी थी,हम शोक क्यूँ करें??? क्या किसी भारतीय

महापुरुष के निधन पर ब्रिटेन में शोक सभा हुई?

👉 2.वीर सावरकरजी पहले देशभक्त थे,जिन्होंने #एडवर्ड सप्तम के राज्याभिषेक समारोह का उत्सव मनाने वालों को #त्र्यम्बकेश्वर में बड़े-2 पोस्टर लगाकर कहा था कि गुलामी का उत्सव मत मनाओ।

👉 3.विदेशी वस्त्रों की पहली होली पूना में #7Oct1905 को

वीर सावरकरजी ने ही जलाई थी। 🙏🙏🙏

👉 4. वीर सावरकरजी पहले ऐसे क्रांतिकारी थे,जिन्होंने विदेशी वस्त्रों का दहन कियातब #बालगंगाधर_तिलकजी ने अपने पत्र #केसरी में उनको #शिवाजी के समान बताकर उनकी #प्रशंसा की थी। 🙏🙏🙏

👉 जबकि इस घटना की दक्षिण अफ्रीका के अपने पत्र "इन्डियन_ओपीनियन"

में #गाँधी 😡 ने निंदा की थी 😡 😡 😡

👉 5. वीर सावरकरजी द्वारा विदेशी वस्त्र दहन की इस #प्रथम_घटना के "16 वर्ष" बाद #गाँधी 😡 ने अपने #स्वार्थ 😡 के लिए इस रास्ते को अपनाया और #11जुलाई1921 को मुंबई के परेल में विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया था (#निजिस्वार्थी_गाँधी 😡 , #Credit ChorGandhi 😡)

👉 6. वीर सावरकरजी पहले ऐसे भारतीय थे, जिनको #सन1905 में #विदेशी_वस्त्र_दहन के कारण पुणे के #फर्म्युसन_कॉलेज से निकाल दिया गया और दस रूपये का जुर्माना किया...

इसके विरोध में हड़ताल हुई, स्वयं #तिलकजी ने "केसरी पत्र" में सावरकरजी के पक्ष में #सम्पादकीय लिखा था...

👉 7. वीर सावरकरजी ऐसे

पहले बैरिस्टर थे, जिन्होंने #सन1909 में ब्रिटेन में ग्रेज-इन परीक्षा पास करने के बाद ब्रिटेन के राजा के प्रति वफादार होने की #शपथ नहीं ली थी और इस कारण ही उन्हें बैरिस्टर होने की उपाधि का पत्र कभी नहीं दिया गया था...

👉 8. वीर सावरकरजी पहले ऐसे लेखक थे, जिन्होंने अंग्रेजों द्वारा

गदर कहे जाने वाले संघर्ष को "1857 का स्वातंत्र्य समर" नामक ग्रन्थ लिखकर सिद्ध कर दिया...

👉 10. "1857 का स्वातंत्र्य समर" विदेशों में छापा गया और भारत में #भगत_सिंहजी ❤️ ने इसे छपवाया था, जिसकी एक-एक प्रति तीन-तीन सौ रूपये में बिकी थी...

उस वक्त भारतीय क्रांतिकारियों के लिए यह एक

पवित्र गीता थी, पुलिस के द्वारा छापों में देशभक्तों के घरों में यही #पुस्तक मिलती थी...

👉 11. वीर सावरकरजी पहले ऐसे क्रान्तिकारी थे, जो समुद्री जहाज में बंदी बनाकर #ब्रिटेन से भारत लाते समय #8जुलाई1910 को समुद्र में कूद पड़े थे और तैरकर #फ्रांस पहुँच गए थे...

👉 12. सावरकरजा पहल

ऐसे क्रान्तिकारी थे, जिनका मुकदमा #अंतर्राष्ट्रीय_न्यायालय "हेग" में चला था,

👉 मगर #ब्रिटेन और #फ्रांस की #मिलीभगत के कारण उनको #न्याय नहीं मिला और बंदी बनाकर भारत लाया गया 😢😢

👉 13. वीर सावरकरजी विश्व के पहले ऐसे क्रान्तिकारी और भारत के ऐसे पहले राष्ट्रभक्त थे, जिन्हें अंग्रेजी

सरकार ने "दो आजन्म" #कारावास की सजा सुनाई थी 😢😢😢

👉 14. वीर सावरकरजी पहले ऐसे देशभक्त थे, जो दो जन्म कारावास की सजा सुनते ही हँसकर बोले कि- "चलो, ईसाई सत्ता ने हमारे #हिन्दूधर्म के पुनर्जन्म सिद्धांत को मान लिया"

👉 15. वीर सावरकरजी पहले ऐसे राजनैतिक बंदी थे, जिन्होंने काला पानी की

सज्जा के समय 10 साल से भी अधिक समय तक आज़ादी के लिए #कोल्हू चलाकर 30 पॉड तेल प्रतिदिन निकाला 😢😢😢

👉 16. वीर सावरकरजी काला पानी में पहले ऐसे कैदी थे, जिन्होंने काल कोठरी की दीवारों पर कंकर कोयले से #कवितायें लिखीं और 6000 #पंक्तियाँ याद रखीं...

👉 17. वीर सावरकरजी पहले ऐसे देशभक्त

लेखक थे, जिनकी लिखी हुई पुस्तकों पर आज़ादी के बाद कई वर्षों तक प्रतिबन्ध लगा रहा...

👉 18. वीर सावरकरजी पहले ऐसे विद्वान लेखक थे, जिन्होंने #हिन्दू को परिभाषित करते हुए लिखा कि:-

"आसिन्धु सिन्धुपर्यन्ता यस्य भारत भूमिका,
पितृभूः पुण्यभूश्वैव स वै हिन्दुरितीस्मृतः।"

👉 अर्थात् "समुद्र से हिमालय तक भारत भूमि जिसकी पितृभूमि है, जिसके पूर्वज यहीं पैदा हुए हैं व यहीं पुण्य भूमि है, जिसके तीर्थ भारत भूमि में ही है वही #हिन्दू है..."

👉 भाग-1 👈

👉👉👉 -2

👉 माँ भारती व अपने भारत देश के प्रति अपना सर्वोच्च न्यौछावर ,त्याग व इतिहास के पन्नों में से कभी ना मिटने वाले अतुलनीय बलिदान की ये वीर सावरकरजी की ये शौर्यगाथा/ कहानी इतने दर्दों से भरी हुई है कि सोचने भर से ही दिल घबरा जाता है 😢 😢



Read 👉👉👉

twitter.com/badal_saraswat...



Badal Saraswat @badal_saraswat

Mar 01 21 • View on Twitter

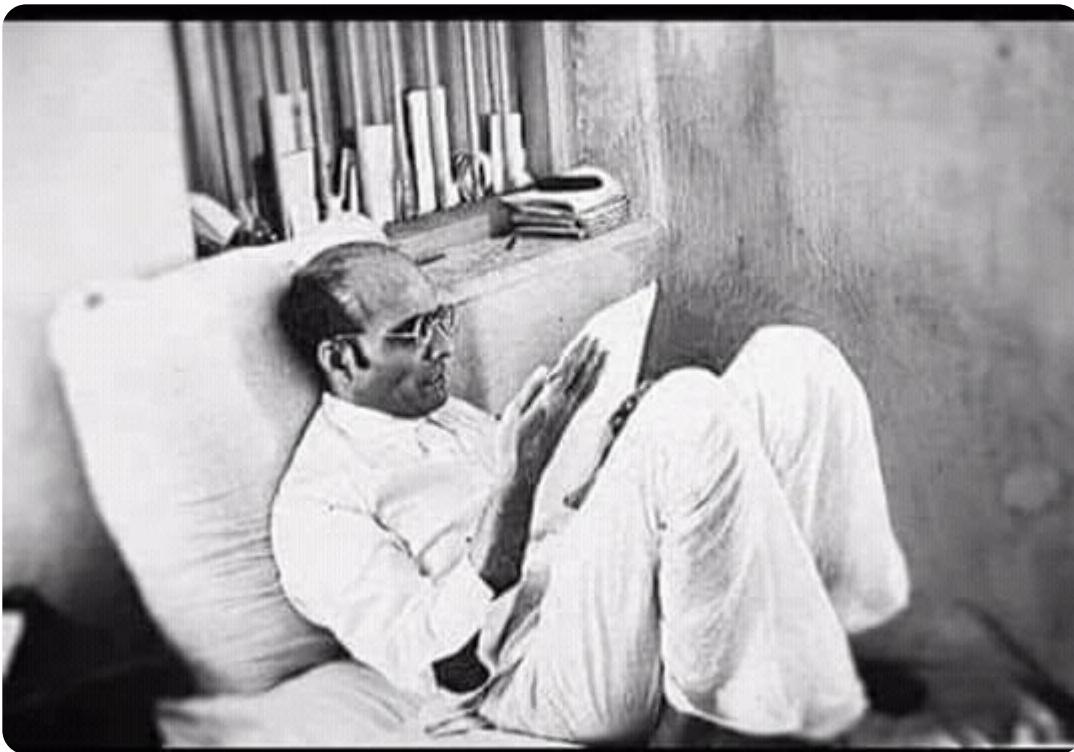
#काँग्रेस_के_कुकम

आप सभी एक बात की कल्पना कीजिए...लगभग 30वर्ष का पति जब जेल की सलाखों के भीतर खड़ा है और बाहर उसकी वह युवा पत्नी खड़ी है,जिसका बच्चा हाल ही में मृत हुआ है,

👉 इस बात की पूरी #संभावना है कि अब शायद इस जन्म में इन पति-पत्नी की भेंट न हो, ऐसे कठिन समय पर

READ 👉👉





Show this thread

👉 काँग्रेस ने हर वो कोशिश कि जिससे वीर सावरकर जी के द्वारा किये गए त्याग व बलिदान के बारे में कोई सच ना जान पाए,
👉 इस देश में रहने वाले ही देशद्रोही गद्वारों ने उन्हें गुमनाम कर दिया और हम सभी पर "नेहरू और गाँधी" को जबरजस्ती थोप दिया गया...

Read

twitter.com/badal_saraswat...



Badal Saraswat @badal_saraswat

Mar 02 21 • View on Twitter

#काँग्रेस_के_कुकम

2दशक से भी ज्यादा समय #दक्षिण_अफ्रीका में बिताकर 45साल का #गाँधी 1915 में भारत आता है(अँग्रेजों के पूरे सुनियोजित रूप से घड़यंत्र झटके के तहत और

👉 4 साल पहले 28वर्ष के एक वीर #अंडमान में एक कालकोठरी में बन्द होते हैं 😢
वो थे-#विनायक_दामोदर_वीर_सावरकरजी।"

Read ↴



Show this thread



Badal Saraswat

@badal_saraswat

झूठी शान के परिंदे ही ज्यादा फड़फड़ाते हैं बाज़ की उडान में आवाज़ नहीं होती तजुब्बों ने सिखाया है शेरो को शिकार करना यूं
बेवजह दहाड़ मारकर शिकार किया नहीं जाता..

 Follow on Twitter

